al No. of Printed Pages—4

1 SEM TDC HND MIL (A) 1

2016

(November)

HINDI

(Modern Indian Language)

DIBRU COLLEGE CENTRAL LIBRARY ESTD -1963 DIBRUGARH

(Arts)

Course : 101

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

Candidates ***eligible*** *for Internal Assessment shall answer Question Nos.* ***1*** *to* ***7***

Full Marks : 80

Pass Marks : 32 (Backlog) / 24 (2014 onwards)

Candidates ***not eligible*** *for Internal Assessment shall answer Question Nos.* ***1*** *to* ***8***

Full Marks : 100

Pass Marks : 40 (Backlog) / 30 (2014 onwards)

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3=24

(क) "निन्दावाद पैशुन्य हिंसा हरि
तेरि करोहों हामु पापी॥
काकु शंकर कर करहु करुणा नाथ
यो न छाड़हुँ रामवाणी।
सब अपराधक बाधक तुवा नाम
ताहे शरण लेहु जानि॥"

अथवा

"ऊधौ! मन नहीं दस बीस।
एक हुतौ सो गयो स्याम संग, को अवराधै ईस?
भई अति सिथिल सबै माधव बिनु जथा देह बिन सीस।
स्वासा अटकि रहै आसा लगि, जीवहि कोटि बरीस॥
तुम-तौ सखा स्याम-सुन्दर के सकल जोग के ईस।
सूरदास रसिक की बतियाँ पुरवो मन जगदीस॥"

(ख) "मरण नहीं है ओ व्याध!
मात्र रूपान्तर है वह
सबका दायित्व लिया मैने अपने ऊपर
अपना दायित्व सौंप जाता हूँ मैं सबको
अब तक मानव-भविष्य को मैं जिलाता था
लेकिन इस अन्धे युग में मेरा एक अंश
निष्क्रिय रहेगा, आत्मघाती रहेगा
और विगलित रहेगा।"

अथवा

"वे हुलसित हैं
अपनी ही फसलों में डूब गये हैं
तुम हुलसित हो
चितकबरी चाँदनियों में खोये हो
उनको दुःख है
नये आम की मंजरियों को पाला मार गया है
तुमको दुःख है
काव्य संकलन दीमक चाट गए हैं।"

(ग) "राजनीति! राजनीति ही मनुष्यों के लिए सब कुछ नहीं है। राजनीति के पीछे नीति से भी हाथ न धो बैठो, जिसका विश्व मानव के साथ व्यापक संबंध है।"

(Continued)

अथवा

"तुम उपहार की वस्तु हो, आज मैं तुम्हें किसी दूसरे को दे देना चाहता हूँ। इसमें तुम्हें क्यों आपत्ति हो?"

2. "सूर का 'भ्रमरगीत' वियोग शृंगार का ही उत्कृष्ट ग्रंथ नहीं है वरन् उसमें सगुण और निर्गुण वाद का भी सुन्दर काव्यविवेचन है।" पठित अंश के आधार पर इस कथन की विवेचना कीजिए। 8

अथवा

'काव्यांजलि' में प्रस्तुत भजनों के आधार पर यह सिद्ध कीजिए कि कबीर अपने समय की सामाजिक परिस्थितियों के प्रति अत्यंत जागरूक थे।

3. हालावाद के अग्रणी कवि हरिवंशराय बच्चन की कविता 'मेल कराती मधुशाला' का भावार्थ लिखिए। 10

अथवा

साबित कीजिए कि पौराणिक कथानक के माध्यम से 'अंधायुग' कविता में आधुनिक युग की त्रासदी अभिव्यक्त हुई है।

4. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की ऐतिहासिकता पर अपना विचार प्रस्तुत कीजिए। 12

अथवा

'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की विशेषताओं पर संक्षिप्त एवं सारगर्भित निबंध लिखिए।

5. पठित निबंध के आधार पर ज्योतिप्रसाद अगरवाला के बहुआयामी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

"असमिया साहित्य एवं जीवन के श्लाका-पुरुष लक्ष्मीनाथ बैजबरुआ का साहित्य में वही स्थान है जो हिन्दी साहित्य में भारतेन्दु हरिश्चंद्र का।" पठित निबंध के आधार पर इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।

(Turn Over)

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 3×3

(क) गोपियों ने ऐसा क्यों कहा है कि "उद्धव मन नाहीं दस बीस"?

(ख) कबीरदास ने माया को महाठगिनी क्यों कहा है?

(ग) "बड़े न हूजे गुननु बिनु, बिरद बड़ाई पाय।
कहत धतूरे सौं कनक, गहनौ गढ़यौ न जाय॥"
—का भाव स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में दीजिए : 1×7

(क) श्रीमंत शंकरदेव किस धर्म के प्रवर्तक थे?

(ख) हिन्दी साहित्याकाश में चंद्रमा का स्थान किस कवि को दिया गया है?

(ग) 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' किसकी रचना है?

(घ) नागार्जुन का वास्तविक नाम क्या है?

(ङ) 'अंधायुग' कविता की घटना किस पौराणिक कथा पर आधारित है?

(च) चित्रवन स्टूडियो में सर्वप्रथम किस असमिया चलचित्र का निर्माण हुआ?

(छ) असमिया समाज किस साहित्यकार को साहित्यरथी कहता है?

(In lieu of Internal Assessment)

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=2

(क) 'रामराज्य' कविता का सारांश लिखिए।

(ख) ज्योतिप्रसाद अगरवाला का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ग) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर ध्रुवस्वामिनी का चरित्र-चित्रण कीजिए।